इखलास

शैख मुहम्मद इशाक मुलतानी.

नोट: आप से दरखास्त है की इसे
भाषा या ग्राम्मर का अदब ना समझे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

● इखलास

इखलास दीन की हकीकत हे और नबी करीम صلى الله عليه وسلم की दावत की कुंजी हे, इखलास इबादत का दिल और उस्की रूह हे, जैसा कि इबन हजम (रह) ने फरमाया कि नियत इबादत का राज और आमाल रूह और जिस्म के जैसे हे और ये बात हो नहीं सकती कि इबादत मे अमल तो हो लेकिन रूह ना हो, ये इस तरह हे कि जिस्म तो हो लेकिन इस मे रूह ना हो, तो वो जिस्म बेकार हे, इखलास आमाल के कबूल होने और ना होने की बुनियाद हे जो कामयाबी और नाकामी का जरीया बनती हे, और खालिस इखलास जिसमें रियाकारी और दिखलावा ना हो वो जन्नत मे ले जाने का जरीया बनती हे.

● इखलास से मुश्किलों का हल

इखलास के ज़रिये मुश्किले आसान हो जाती हे

हदीस का मफहूम हे तीन लोग जो एक गार मे बंद हो गये थे, तो उनमें से हर एक ने अपने इखलास वाले आमाल पेश करके दुवा की, उनमें से पहले शख्स ने ये दुवा की ए अल्लाह मे अपने वालिदैन की खिदमत करता हू और अपने बाल बच्चों पर भी उन्हें तरजीह देता हू अगर ये अमल तुझे कबूल हे तो ये चट्टान हटा दे, तो वो चट्टान थोडी सी सरक गयी, दूसरे ने ये दुवा की ए अल्लाह मे सिर्फ तेरे खौफ से गुनाह से बचा, हालाकि अस्बाब भी पूरे थे अगर ये अमल तुझे पसन्द हे तो इस चट्टान को हटा दे, फिर वो चट्टान थोडी सी सरक गयी, और इसी तरह तीसरे शख्स ने अपने इखलास वाले अमल को पेश किया तो वो चट्टान पूरी हट गयी और वो आजाद हो गये, इन तीनों ने अपने इखलास वाले आमाल को पेश किया तो मुसीबत से बच गये. (आमालउल कुलूब)

हवाला: एक हज़ार अनमोल मोती उर्दु से मज़मून का खुलासा लिप्यान्तरण किया गया हे.